Dr. S. S. Pandey

TOPIC

भारत में विवाह

Marriage in India

भारत में विवाह

- भारत में विवाह के विविध स्वरूप
- विवाह में परिवर्तन के कारण
- हिन्दू विवाह में आधुनिक परिवर्तन

भारत में विवाह के विविध स्वरूप

Various forms of Marriage in India

- हिन्दुओं में विवाह
- मुस्लिमों में विवाह
- इसाइयों में विवाह
- जनजातियों में विवाह

हिन्दू विवाह के प्रकार

Types of Hindu Marriage

1. ब्रह्म विवाह
2. दैव विवाह
3. आर्ष विवाह
4. प्रजापत्य विवाह

↓ मान्य विवाह

5. गंधर्व विवाह
6. असुर विवाह
7. राक्षस विवाह
8. पैशाच विवाह

↓ अमान्य विवाह

1. अनुलोम विवाह (Anuloma Marriage)
2. प्रतिलोम विवाह (Pratiloma Marriage)

हिन्दू विवाह : एक धार्मिक संस्कार के रूप में

Hindu Marriage : As a Sacrament

A. भूमिका

हिन्दू समाज एक धर्म प्रधान समाज रहा है इसलिए इनमें विवाह संस्था भी धर्म से ओत-प्रोत रही है और हिन्दू विवाह को एक धार्मिक संस्कार माना जाता है।

B. हिन्दू विवाह के धार्मिक संस्कारगत पक्ष

a. हिन्दू विवाह का मुख्य आधार धर्म (Religion) है क्योंकि-

1. हिन्दुओं में धार्मिक कर्त्तव्यों के पालन हेतु विवाह आवश्यक है
2. पत्नी के साथ ही महायज्ञ संभव है
3. बिना विवाह के संतान संभव नहीं है और मोक्ष प्राप्ति हेतु संतान आवश्यक है
4. गृहस्थ आश्रम में प्रवेश हेतु विवाह आवश्यक है

b. हिन्दू विवाह में धार्मिक कर्मकाण्डों एवं नियमों (Religious Rituals and Rules) की प्रधानता होती है-

1. विवाह हेतु पुरोहित आवश्यक
2. मंत्रोच्चारण आवश्यक
3. अग्नि के समक्ष सात फेरे (सप्तपदी)

c. हिन्दू विवाह ईश्वर इच्छित जन्म-जन्मान्तर का संबंध एवं विवाह-विच्छेद (Marriage Dissolution) अमान्य

C. समीक्षा

उपरोक्त विश्लेषण से स्पष्ट है कि हिन्दू विवाह एक धार्मिक संस्कार है, परन्तु आधुनिकता के वर्तमान दौर में हिन्दू विवाह के धार्मिक संस्कारगत पक्षों में व्यापक परिवर्तन आया है और

आज विवाह धार्मिक उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु नहीं किया जाता बल्कि जीवनसाथी, सहयोग एवं आनंद प्राप्ति हेतु किया जाता है। विवाह-विच्छेद को वैधानिक मान्यता मिल जाने से हिन्दू विवाह अब अटूट बंधन भी नहीं रहा है।

परन्तु उपरोक्त परिवर्तनों के बावजूद, परस्पर विश्वास तथा जीवनसाथी के साथ परस्पर प्रतिबद्धता विवाह का मूल तत्व था और आज भी बना हुआ है। विभिन्न कारणों से धार्मिक प्रभाव में कमी अवश्य आयी है परन्तु अभी भी विवाह का धार्मिक संस्कारगत पक्ष पूर्णतः समाप्त नहीं हुआ है और आज भी अधिकांश विवाह धार्मिक रीति-रिवाज के अनुसार ही सम्पन्न होता है।

प्रेम विवाह, LIR, विवाह-विच्छेद की घटनाएँ, विवाह के धार्मिक संस्कारगत पक्ष पर प्रश्न चिह्न अवश्य लगाती है, परन्तु यह एक बहुत ही सीमित घटना है और सामान्य रूप से आज भी, जब तक विवाह साथ-साथ रहने एवं संतान प्राप्ति के उद्देश्यों के लिए किया जाएगा तब तक हिन्दू विवाह की धार्मिक महत्ता बनी रहेगी, भले ही धार्मिक पक्षों में कुछ बदलाव आ जाए।

हिन्दू विवाह में प्रमुख निषेध

Major Prohibition in Hindu Marriage

1. जाति बहिर्विवाह निषेध
2. सपिंड विवाह निषेध
3. सगोत्र विवाह निषेध
4. सप्रवर विवाह निषेध
5. ग्राम अंतर्विवाह निषेध

हिन्दू विवाह में आधुनिक परिवर्तन

Modern Change in Hindu Marriage

1. धार्मिक संस्कारगत पक्षों में परिवर्तन
2. विवाह संबंधी निषेधों में परिवर्तन
3. विवाह के स्थायित्व में परिवर्तन
4. विवाह के आयु में परिवर्तन
5. विवाह संबंधी रीति-रिवाजों में परिवर्तन
6. विवाह में नवीन पद्धतियों का प्रचलन

- क्या आप सोचते हैं कि, आधुनिक भारत में विवाह एक संस्कार के रूप में अपना मूल्य खोता जा रहा है? UPSC - 2023/150/10

Do you think marriage as a sacrament is loosing its value in Modern India? UPSC - 2023/150/10

Dr. S. S. Pandey

TOPIC

भारत में परिवार : संयुक्त परिवार

Family in India : Joint Family

भारत में परिवार : संयुक्त परिवार / Family in India : Joint Family

- संयुक्त परिवार का अर्थ
- संयुक्त परिवार का लक्षण
- संयुक्त परिवार के संयुक्तता के निर्धारक
- संयुक्त परिवार के लाभ/प्रकार्य
- संयुक्त परिवार की हानि
- संयुक्त परिवार में परिवर्तन
- संयुक्त परिवार में परिवर्तन का कारण

संयुक्त परिवार के अर्थ एवं लक्षण

Meaning & Characteristics of Joint Family

संयुक्त परिवार के अर्थ

संयुक्तता की भावना से ओत-प्रोत एक ऐसा परिवार, जिसमें दो से अधिक पीढ़ी के लोग साथ-साथ रहते हैं, संयुक्त परिवार कहलाता है।

संयुक्त परिवार के लक्षण

1. संयुक्तता की भावना
2. दो से अधिक पीढ़ी के लोग
3. सामान्य निवास
4. सामान्य रसोई (सहभोजिता)
5. सामान्य सम्पति
6. सामान्य पूजा पद्धति
7. पर्व-त्योहारों में सबकी सहभागिता
8. मुखिया की सत्ता सर्वोपरी

संयुक्त परिवार के संयुक्तता के निर्धारक

Determinants of Jointness of Joint Family

1. सामान्य निवास (Common Residence)
2. सहभोजिता (Common Kitchen)
3. सामान्य संपत्ति (Common Property)
4. सामान्य पूर्वज पूजा (Common Ancestor worship)
5. भारतीय परंपरा में निहित सामूहिकता (Collectivism), सहिष्णुता (Tolerance) एवं त्याग (Sacrifice) की भावना

संयुक्त परिवार के लाभ / प्रकार्य

Benefits / Functions of Joint Family

1. बच्चों का पालन-पोषण
2. प्रारंभिक शिक्षा एवं सामाजीकरण
3. संस्कृति एवं परम्परा का हस्तांतरण एवं निरन्तरता
4. कमजोर सदस्यों को सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा
5. सामाजिक नियंत्रण एवं अनुशासन
6. स्वस्थ्य मनोरंजन
7. पूँजी-निर्माण में सहायक

संयुक्त परिवार के हानि / दोष

Disadvantages of Joint Family

1. स्वतंत्र व्यक्तित्व के विकास में बाधक
2. उद्‌यमशीलता एवं कुशलता में बाधक
3. अकर्मण्यों / निकम्मों की संख्या में वृद्धि
4. श्रम की गतिशीलता में बाधक
5. स्त्रियों के निम्न स्थिति हेतु उत्तरदायी
6. जनसंख्या वृद्धि में सहायक

संयुक्त परिवार में आधुनिक परिवर्तन

Modern Change in Joint Family

भूमिका

1. भारतीय परिवार के रूप में संयुक्त परिवार का तात्पर्य.....
2. आधुनिकीकरण के वर्तमान दौर में भारतीय परिवार के संरचना एवं प्रकार्यों (Structure and Functions) में काफी बदलाव आया है; जैसे-

आधुनिक परिवर्तन

A. संरचना में परिवर्तन (Change in Structure)

1. एकाकी परिवार (Nuclear Family) का उद्‌भव
2. नवस्थानीय परिवार (Neolocal Family) की संख्या में वृद्धि
3. मुखिया की सत्ता का विकेन्द्रीकरण
4. निर्णय प्रक्रिया में अन्य परिवारजनों की सहभागिता में वृद्धि
5. स्त्रियों की आर्थिक निर्भरता में कमी एवं प्रस्थिति में सुधार
6. अवसरों एवं पुरस्कारों का वितरण परिवार के बजाए वैयक्तिक गुणों के आधार पर
7. संयुक्तता की भावना के विस्तार क्षेत्र में कमी

B. अन्तः पारिवारिक संबंधों में परिवर्तन (Change in Intra-Family Relations)

1. माता-पिता एवं बच्चों के संबंध समानतायुक्त एवं मित्रवत
2. बच्चों द्वारा माता-पिता के निर्णयों का विरोध प्रारंभ
3. पति-पत्नी के मध्य निकटता में वृद्धि एवं संबंधों में समानता का विकास
4. सास की सत्ता में कमी एवं बहु की स्वतंत्रता में वृद्धि (कहीं-कहीं सास पर बहु भारी)

C. प्रकार्यों में परिवर्तन (Change in Functions)

1. यौन संबंध के नियमनकर्त्ता के रूप में परिवार के महत्व में कमी
2. पीढ़ी की गहराई कम होने, बच्चों द्वारा अधिकतर समय घर से बाहर बिताने तथा संचार साधनों के विकास के कारण सामाजीकरण की एजेंसी के रूप में परिवार के महत्व में कमी
3. नातेदारों के प्रति परिवार की भूमिका में कमी
4. मनोरंजन की अन्य सुविधाओं / संस्थाओं के उद्भव से इस क्षेत्र में परिवार के महत्व में कमी
5. लोक कल्याणकारी राज्य एवं NGO की बढ़ती भूमिका के कारण सदस्यों के सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा संबंधी प्रकार्यों में कमी

D. अन्य परिवर्तन (Other Changes)

1. विघटित परिवारों (Disintegrated Families) की संख्या में वृद्धि
2. पुत्र द्वारा अपने माता-पिता से अलग रहने की प्रवृत्ति में वृद्धि
3. माता-पिता भी पुत्र से अलग रहने की ओर उन्मुख
4. द्विपक्षीय नातेदारी प्रचलित एवं परिवार में मातृ पक्ष के प्रभाव में वृद्धि
5. पुनः नगरों में संयुक्त परिवार के प्रति रूझान में वृद्धि
6. भारत में भी LIR का प्रचलन एवं बिना विवाह परिवार निर्माण की प्रवृत्ति में वृद्धि
7. हाल में पश्चिमी देशों के तर्ज पर, भारत में भी समलैंगिक संबंधों को मान्यता देने से, Gay / Lesbian Marriage & Family की संभावना में वृद्धि

मूल्यांकन एवं निष्कर्ष

उपरोक्त विश्लेषण से यह स्पष्ट है कि आज भारत में संयुक्त परिवार के संरचनात्मक एवं प्रकार्यात्मक (Structural and Functional) पक्षों में तीव्र परिवर्तन हुआ है।

इस बदलाव की दिशा निश्चित रूप से एकाकी परिवार (Nuclear Family) की ओर है।

परन्तु यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि आज, मुख्यतः संयुक्त परिवार के गृहस्थी के आयाम (Household Dimension) में परिवर्तन हुआ है, जहाँ यह एक से अधिक गृहस्थी में बंट गया है और आकार छोटा हुआ है

परन्तु अलग रहते हुए भी यह एकाकी परिवार, संयुक्तता की भावना के आधार पर एक-दूसरे से जुड़े हुए है।

हिन्दू विवाह एवं संयुक्त परिवार में परिवर्तन के कारण

Causes of Change in Hindu Marriage & Joint Family

1. आधुनिक मूल्य व्यवस्था
   (Modern Value System)
2. आधुनिक शिक्षा का प्रसार
   (Spread of Modern Education)
3. लोकतांत्रिक राज्य द्वारा निर्मित कानून एवं विकास योजनाएँ
   (Social Legislations and Development Programmes)

4. औद्योगिकीकरण एवं नगरीकरण
   (Industrialization and Urbanization)
5. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विकास
   (Science and Technological Development)
6. वैश्वीकरण एवं संचार क्रांति
   (Globalization and Communication Revolution)
6. कोविड-19 महामारी
   (Covid-19 Pandemic)

4. संयुक्त परिवार का जीवन-चक्र सामाजिक मूल्यों के बजाय आर्थिक कारकों पर निर्भर करता है, चर्चा कीजिए। UPSC - 2014

   The life cycle of a Joint Family depends on economic factors rather than social values Discuss.

- पारिवारिक सम्बन्धों पर 'वर्क फ्रॉम होम' के असर की छानबीन तथा मूल्यांकन करें। (150 शब्द में उत्तर दें) UPSC - 2022

  Explore and evaluate the impact of 'Work From Home' on family relationships. UPSC - 2022

Dr. S. S. Pandey

TOPIC

भारत में विवाह एवं परिवार पर वैश्वीकरण का प्रभाव

Impact of Globalization on Marriage and Family in India

A. सकारात्मक प्रभाव (Positive Impact)

1. वैश्वीकरण–
   रोजगार के अवसरों में वृद्धि के साथ व्यक्ति की आत्मनिर्भरता में वृद्धि और आधुनिकता के मूल्यों का प्रसार–
   फलत: परिवार में मुखिया की सत्ता विकेन्द्रित; महिलाओं की स्थिति में सुधार;

   जीवनसाथी के चुनाव में लड़के-लड़की के महत्व में वृद्धि; विवाह संबंधी निषेध कमजोर तथा अंतर्जातिय विवाह, सगोत्र विवाह एवं प्रेम विवाह में वृद्धि

2. वैश्वीकरण–
   आधुनिकता के मूल्यों का प्रसार–
   फलत: विवाह एवं परिवार से संबंधित नियमों एवं प्रथाओं का तार्किकीकरण फलत: बाल विवाह, विधवा विवाह निषेध जैसी मान्यताएँ कमजोर और विवाह से जुड़ी अतार्किक प्रथाओं / रूढ़ियों का उन्मूलन

3. **वैश्वीकरण–**

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का तीव्र विकास–

फलत: विवाह में आधुनिक तकनीक का प्रयोग; प्रजनन में नवीन तकनीक का प्रयोग (Surrogacy, Test Tube baby आदि); विवाह के नवीन निषेध (Blood Group) का प्रचलन और परिवार में आधुनिक तकनीक के प्रयोग द्वारा महिलाओं के भूमिका द्वंद में कमी और महिलाओं द्वारा बाहरी कार्यों का सफलतापूर्वक संचालन

नकारात्मक प्रभाव (Negative Impact)

1. **वैश्वीकरण–**

उपभोक्तावादी संस्कृति का प्रसार– फलत: महत्वाकांक्षा एवं व्यक्तिवादिता में वृद्धि–

फलत: संयुक्तता की भावना कमजोर; संयुक्त परिवार का विघटन; विवाह विच्छेद की दर में वृद्धि; दु:खी वैवाहिक जीवन तथा Single Parent Family (एकल अविभावक परिवार) का विकास

2. **वैश्वीकरण–**

एक तरफ महिलाओं की आत्मनिर्भरता, स्वतंत्रता एवं स्वछंदता में वृद्धि तो दूसरी तरफ पुरुषों पर पितृसत्तात्मकता के प्रभाव की निरंतरता–

फलत: स्त्री-पुरुष के मध्य टकराव, विवाह विच्छेद एवं तनाव में वृद्धि

3. **वैश्वीकरण–**

पश्चिमी संस्कृति का प्रसार एवं बाजार अर्थव्यवस्था का विकास–

फलत: विवाह के नये स्वरूप (LIR, समलैंगिक विवाह आदि) का उद्‌भव, बिना विवाह परिवार का निर्माण, विवाह का बाजारीकरण, यौन संबंधों में खुलापन आदि का प्रचलन

4. **वैश्वीकरण–**

व्यक्ति की व्यस्तता में वृद्धि–

फलत: बच्चों के पालन-पोषण, समाजीकरण एवं वृद्धों की देखभाल में परिवार की भूमिका में कमी और इसके नवीन विकल्पों (क्रेच, किंडर गार्डेन, वृद्धाश्रम आदि) का उद्‌भव

संभावित प्रश्न

- आधुनिकीकरण एवं वैश्वीकरण के विशेष संदर्भ में हिन्दू विवाह में हो रहे आधुनिक परिवर्तनों की चर्चा कीजिए। इसके लिए कौन-कौन से कारण उत्तरदायी रहें हैं?

- 'हिन्दू विवाह एक धार्मिक संस्कार है' वर्तमान संदर्भ में इस कथन की समीक्षा कीजिए और इस कथन के प्रकाश में हिन्दू विवाह में होने वाले नवीन परिवर्तनों को दर्शाइए।

- *भारतीय संयुक्त परिवार में होने वाले समकालीन परिवर्तनों को दर्शाइए। क्या आप सहमत है कि ये परिवर्तन संयुक्त परिवार के केवल घरेलू आयाम (Household Dimension) में परिवर्तन है? उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए।*

- *"संयुक्त परिवार से एकाकी परिवार और एकाकी परिवार से संयुक्त परिवार में परिवर्तन की प्रक्रिया भारतीय समाज में ऐतिहासिक रूप से विद्यमान रही है" (Family Cycle) इस कथन के प्रकाश में संयुक्त परिवार में होने वाले समकालीन परिवर्तनों पर चर्चा कीजिए।*

- *"भारत के संयुक्त परिवार में परिवर्तन केवल घरेलू आयामों में परिवर्तन को परिलक्षित करता है और संयुक्तता की भावना के साथ संयुक्त परिवार आज भी बना हुआ है।" चर्चा कीजिए।*

- *"भारतीय एकाकी परिवार औद्योगीकरण का उत्पाद है।" इस कथन के प्रकाश में संयुक्त परिवार में होने वाले आधुनिक परिवर्तन के कारणों की चर्चा कीजिए।*

- *"भारत में वैश्वीकरण की प्रक्रिया ने विवाह एवं परिवार संस्था को कमजोर किया है।" चर्चा कीजिए।*

- *"वैश्वीकरण ने जहाँ एक तरफ व्यक्ति को स्वतंत्रता एवं स्वच्छंदता प्रदान की है वहीं दूसरी तरफ विवाह एवं परिवार के समक्ष चुनौती को भी प्रस्तुत किया है।" चर्चा कीजिए।*

UPSC द्वारा विगत वर्ष में पूछे गए प्रश्न

- *क्या आप सोचते हैं कि, आधुनिक भारत में विवाह एक संस्कार के रूप में अपना मूल्य खोता जा रहा है?* UPSC - 2023

  Do you think marriage as a sacrament is loosing its value in Modern India? UPSC - 2023

- *पारिवारिक सम्बन्धों पर 'वर्क फ्रॉम होम' के असर की छानवीन तथा मूल्यांकन करें। (150 शब्द में उत्तर दें)* UPSC - 2022

  Explore and evaluate the impact of 'Work From Home' on family relationships. (Answer in 150 words) UPSC - 2022

- *संयुक्त परिवार का जीवन-चक्र सामाजिक मूल्यों के बजाय आर्थिक कारकों पर निर्भर करता है, चर्चा कीजिए।* UPSC - 2014

  The life cycle of a joint family depends on economic factors rather than social values, Discuss. UPSC - 2014